सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 32 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

क्रोध वह हवा है जो बुद्धि के दीप को बुझा देती है। -रोबर्ट ग्रीन इन्गेर्सोल्ल

शार्दुल ठाकुर के शतक से मुंबई... 7 | चुनाव अभी दूर, पर बढ़ी सियासी... 3 | विपक्षी दलों को खत्म करने की... 2

जनविश्वास महारैली से 'इंडिया' ने भरी चुनावी हुंकार

अपार जनसमूह से गदगद दिखे गठबंधन के नेता

- पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर बोला मोदी सरकार पर हमला
- झूठी गारंटियों का झोला लेकर घूम रहे पीएम : राहुल
- मोदी को केंद्र की सत्ता से बाहर करने के लिए वोट करें : लालू
- बीजेपी और उसके सहयोगियों से रहें सतर्क : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जनविश्वास महारैली के जरिए लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंका। हुंकार भरते हुए रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद तथा समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई दलों के नेताओं ने बीजेपी पर हमला बोला। राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को बीच में रोककर इस रैली में भाग लेने मध्य प्रदेश से आए।

इस रैली में विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा मोदी सरकार केवल दो-तीन बहुत अमीर लोगों के लिए काम कर रही है और दलितों और पिछड़े वर्गों की उपेक्षा कर रही है जिनकी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 70 प्रतिशत है। सबसे तीखा हमला लालू प्रसाद ने किया। उन्होंने भीड़ से आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने को। लोगों से कहा मोदी को केंद्र की सत्ता से बाहर करने के लिए वोट करें।

खाली पड़े पदों पर भी कुंडली मार कर बैठे हैं मोदी : राहुल

सोमवार को कांग्रेस नेता ने खाली पड़े पदों को नहीं भरने को लेकर निशाना साधा और कहा कि नरेंद्र मोदी की नीयत ही रोजगार देने की नहीं है। युवाओं के लिए नौकरियों के बंद दरवाजे खोलने का संकल्प इंडिया ब्लॉक का है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, देश के युवाओं एक बात नोट कर लो! नरेंद्र मोदी की नीयत ही रोजगार देने की नहीं है। नए पद निकालना तो दूर वह केंद्र सरकार के खाली पड़े पदों पर भी कुंडली मार कर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि अगर संसद में पेश किए गए केंद्र सरकार के आंकड़ों को ही मानें तो 78 विभागों में नौ लाख 64 हजार पद खाली हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि महत्वपूर्ण विभागों में ही देखें तो रेलवे में 2.93 लाख, गृह मंत्रालय में 1.43 लाख और रक्षा मंत्रालय में 2.64 लाख पद खाली हैं। उन्होंने सरकार पर सवालों की बौछार करते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार के पास इस बात का जवाब है कि 15 प्रमुख विभागों में 30 फीसदी से अधिक पद खाली क्यों हैं? 'झूठी गारंटियों का झोला' लेकर घूम रहे प्रधानमंत्री के अपने ही कार्यालय में बड़ी संख्या में अति महत्वपूर्ण पद खाली क्यों हैं?

पाला बदलने वालों को न करें स्वीकार : खरगे

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लालू प्रसाद के छोटे पुत्र एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की सराहना करते हुए कहा, आपके चाचा (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) ने एक बार फिर पाला बदल लिया है। वह दोबारा ऐसा कर सकते है। लेकिन आगे से उन्हें स्वीकार मत करना ।

मोदी का परिवार नहीं तो हम क्या करें : लालू

अधिक उम्र और खराब स्वास्थ्य से जूझ रहे प्रसाद ने राजनीति में परिवारवाद की आलोचना करने के लिए प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, अगर नरेन्द्र मोदी के पास अपना परिवार नही है तो हम क्या कर सकते हैं। वह राम मंदिर के बारे में डीगें मारते रहते हैं। वह सच्चे हिंदू भी नही है। हिंदू परंपरा में बेटे को अपने माता-पिता के निधन पर अपना सिर और दाढ़ी मुंडवानी चाहिए। जब उनकी मां की मृत्यु हुई तो मोदी ने ऐसा नही किया।

बिहार राजनीति का परिवर्तन स्थल, बदलेगी सियासत : येचुरी

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम एचुरी ने अपने सम्बोधन में गांधी मैदान को बिहार की राजनीति का परिवर्तन स्थल बताया। भारतीय साम्यवादी पार्टी (भाकपा) डी. राजा और भाकपा माले के दीपांकर भट्टाचार्य जैसे वामपंथी नेताओं ने मोदी सरकार की नीतियों की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि ए सरकार केवल बड़े व्यवसायों को लाभ पहुंचा रही है। राजा ने कहा कि मोदी ने काला धन लाने, गरीब के खाते में 15 लाख देने का वादा किया था और पूछा कि ऐसा कुछ हुआ? उन्होंने आरोप लगाया, मोदी झूठे हैं, जुमलेबाज हैं। मोदी गरीब, दलित, किसान के साथ नही है। मोदी अडानी और अंबानी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार नही है, बल्कि आरएसएस की सरकार है। भाकपा माले के दीपांकर भट्टचार्य ने कहा कि भाजपा को अपना चिन्ह बदल कर कमल की जगह बुल्डोजर कर देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, यह सरकार अंबानी-अडानी के सामने कालीन की तरह बिछ जाती है लेकिन जब किसान दिल्ली आना चाहते हैं तो सड़कों पर कीलें ठोक दी जाती है।

माननीयों को लगा 'सुप्रीम' झटका

- आदेश- रिश्वत मामले में सांसद व विधायकों को छूट नहीं
- वोट के बदले नोट केस में 1998 का सुप्रीम कोर्ट ने पलटा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पैसे लेकर सवाल पूछने पर चलेगा मुकदमा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के एडवोकेड ने बताया- आज सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। कोर्ट ने इस दौरान पुराने फैसले को भी ओवर-रूल कर दिया (पलटने के संदर्भ में), कोर्ट ने साफ किया कि कोई भी विधायक अगर रुपए लेकर सवाल पूछता है या रुपए लेकर किसी को कोट करता है (राज्यसभा चुनाव में) तब उसे कोई संरक्षण नहीं मिलेगा। न ही उसे कोई प्रोटोकॉल मिलेगा बल्कि उसके खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा चलेगा।

नई दिल्ली। वोट के बदले नोट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। सोमवार (4 मार्च, 2024) को टॉप कोर्ट ने साल 1998 का फैसला पलटते हुए कहा कि सांसद और विधायकों को छूट नहीं दी जा सकती है। यह विशेषाधिकार के तहत नहीं आता है, इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि घूस लेने वाले ने घूस देने वाले के मुताबिक वोट दिया या नहीं, विषेधाधिकार सदन के साझा कामकाज से जुड़े विषय के लिए है, वोट के लिए रिश्वत लेना विधायी काम का हिस्सा नहीं है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 1998 का नरसिंह राव फैसला पलट दिया। मामले में चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली 7 जजों की बेंच का यह साझा फैसला है जिसका सीधा असर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सीता सोरेन पर पड़ेगा। उन्होंने विधायक रहते रिश्वत लेकर 2012 के राज्यसभा चुनाव में वोट डालने के मामले में राहत मांगी थी। सांसदों को अनुच्छेद 105(2) और विधायकों को 194(2) के तहत सदन के अंदर की गतिविधि के लिए मुकदमे से छूट हासिल है, हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि रिश्वत लेने के मामले में यह छूट नहीं मिल सकती है।

फिर ईडी के सामने नहीं पेश होंगे केजरीवाल

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की मांग की, ईडी ने किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी (ईडी) अब तक सीएम अरविंद केजरीवाल को आठ समन भेज चुकी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल आज यानी सोमवार (4 मार्च, 2024) को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने नहीं पेश होंगे। हालांकि, वह ईडी के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हो गए हैं। उन्होंने ईडी से इसके लिए डेट भी मांगी है और बताया कि वह जांच एजेंसी के सामने ऑनलाइन मोड में हाजिर होंगे।उन्होंने ईडी को जवाब भेजकर 12 मार्च के बाद का समय मांगा और कहा कि वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जवाब देंगे। वहीं ईडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली के सीएम से पूछताछ को तैयार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से बड़ी हो गई ईडी : भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारा स्टैंड वही है, समन गैर कानूनी है। ईडी या तो अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहती है या उनको अपमानित करना चाहती है, सुप्रीम कोर्ट में भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई होती है तो क्या ईडी सुप्रीम कोर्ट से भी बड़ी हो गई? बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने ईडी के आठवें समन के जवाब में ये भी कहा कि हालांकि ये समन गैर कानूनी है, फिर भी वे जवाब देने को तैयार हैं।

विपक्षी दलों को खत्म करने की राजनीति चल नहीं पाएगी : उद्धव ठाकरे

बोले- महाराष्ट्र में आरोपियों को टिकट दे रही बीजेपी

» मैं उन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा : कृपा शंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि अन्य राजनीतिक दलों को कमजोर करने की उसकी नीति चल नहीं पाएगी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, जिसमें धन शोधन के आरोपों का सामना कर चुके कृपाशंकर सिंह का नाम भी शामिल है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सूची में नितिन गडकरी जैसे वरिष्ठ नेताओं का नाम नहीं होने पर आश्चर्य जताया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री गडकरी के साथ किए गए काम को याद किया, जिन्होंने शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे द्वारा शुरू की गई परियोजना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को तेजी से पूरा करने में सहयोग दिया था। भाजपा ने महाराष्ट्र की 48 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी नहीं की है। भाजपा ने सिंह को उत्तर प्रदेश की जौनपुर सीट से उम्मीदवार बनाया है। सिंह कांग्रेस की मुंबई इकाई के प्रमुख और गृह राज्य मंत्री रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार द्वारा निरस्त किए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख से असहमति जताने के बाद 2019 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। बाद में 2021 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। ठाकरे ने सीधे तौर पर भाजपा या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बगैर कहा, विपक्षी दलों को खत्म करने की राजनीति चल नहीं पाएगी... जुमला का नाम बदलकर गारंटी कर दिया

जाना चाहिए। कृपा शंकर सिंह ने ठाकरे की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति की टिप्पणी को गंभीरता से नहीं लेता, जिसकी अपनी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है और जो मुख्यमंत्री के रूप में अपने ढाई साल के कार्यकाल में ढाई दिन के लिए भी कार्यालय नहीं पहुंचे हों।

आप प्रत्याशी को तो अपने ही लोग नहीं करते पसंद : बांसुरी

बांसुरी स्वराज ने आतिशी के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार पर भी सवाल उठाया, जिन्हें शनिवार को राजेंद्र नगर में उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ता ने कथित तौर पर पीटा था। भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने आप के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, मैं आम आदमी पार्टी से पूछना चाहती हूं - आपने ऐसे उम्मीदवार को क्यों मैदान में उतारा है, जिसे कल (शनिवार) राजेंद्र नगर में उसके खुद के कैडर ने पीटा था? भाजपा नेता ने कहा, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है, जो उनकी अपनी पार्टी के सदस्यों को पसंद नही है। वे हम पर आरोप लगा सकते हैं लेकिन जनता उन्हें चुनाव में जवाब देगी। आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली सीट से सोमनाथ भारती को अपना उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज राष्ट्र-विरोधी ताक्तों के साथ : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से बांसुरी स्वराज को उम्मीदवार बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि स्वराज ने एक वकील के रूप में अदालत में राष्ट्र-विरोधी ताक्तों का प्रतिनिधित्व किया है। बांसुरी स्वराज ने इन आरोपों को लेकर दिल्ली की सत्तारूढ़ आप पर पलटवार करते हुए उसके उम्मीदवार पर सवाल खड़े किए। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने यहां सम्मेलन में कहा कि भाजपा की दिवंगत नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को अदालत में राष्ट्र-विरोधी ताक्तों का पक्ष लेने के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। आतिशी ने यह भी मांग की कि भाजपा बांसुरी की जगह किसी और को नई दिल्ली सीट से उम्मीदवार बनाए। आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा, बांसुरी स्वराज ने नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से मीनाक्षी लेखी की जगह ली है। उन्होंने अदालतों में राष्ट्र-विरोधी शक्तियों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने चंडीगढ़ के महापौर का प्रतिनिधित्व किया, जो हाल के चुनाव में धोखाधड़ी से चुने गए थे। स्वराज ने 2012 से 2014 तक अदालतों में भगोड़े कारोबारी ललित मोदी का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने यह भी मांग की कि भाजपा निर्वाचन क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बदले।

शिक्षा से ही हो सकती है गरीबी दूर : सीएम केजरीवाल

» आम आदमी चाहता है कि उसके बच्चे पढ़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक आम आदमी चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी तालीम मिले और शिक्षा से देश की गरीबी दूर हो सकती है। केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ लुधियाना के इंद्रापुरी में स्कूल ऑफ एमिनेंस का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। लुधियाना के स्कूल के बारे में केजरीवाल ने कहा, कि जब हम स्कूल में प्रवेश करते हैं, तो विश्वास ही नहीं होता कि यह सरकारी स्कूल है। जिस तरह की कक्षाएं,

प्रयोगशालाएं और अन्य सुविधाएं हैं, मैं चुनौती के साथ कह सकता हूं कि अगर किसी ने निजी क्षेत्र में ऐसा स्कूल बनाया होता, तो कम से कम 10,000 रुपए प्रति माह फीस तय की होती। उन्होंने कहा कि अब मजदूरों, गरीबों, किसानों, बिजली मिस्त्रियों, प्लंबरों और अन्य लोगों के बच्चों को स्कूल ऑफ एमिनेंस में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। केजरीवाल ने कहा, मैं नियमित रूप से पंजाब का दौरा करता रहता हूं। दो मुख्यमंत्री पंजाब का दौरा कर रहे हैं और सरकारी स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। क्या पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस बात की परवाह की थी कि सरकारी स्कूल ठीक से चल रहे हैं या नहीं। अब, दो मुख्यमंत्री अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों का दौरा करके देख रहे हैं कि चीजें कैसे काम कर रही हैं।

हम विकास की राजनीति करते हैं : मान

इस अवसर पर मान ने कहा, आम आदमी पार्टी विकास की राजनीति करती है, न कि नफरत या जाति की राजनीति। हम अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल बनाने, मुफ्त बिजली देने और बुनियादी ढांचे के निर्माण की बात करते हैं।

यूपी-बिहार चाहे तो साफ हो जाएगी बीजेपी

» अखिलेश बोले- जब जोशीले नौजवान मिल जाते हैं तो बड़े-बड़े तख्त हिल जाते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, उत्तरप्रदेश और बिहार में कुल मिलाकर 120 (80 उत्तर प्रदेश में और 40 बिहार में) सीटें हैं। अगर हम इन दोनों राज्यों में भाजपा की हार सुनिश्चित करते हैं, तो केंद्र में भाजपा सरकार नहीं बना पाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश 80 हराओ का नारा दे रहा है तो बिहार भी पीछे नहीं हैं तथा यहां भी 40 हराओ का नारा है। उन्होंने कहा, अगर उत्तरप्रदेश और बिहार ने ठान लिया तो इनका सूपड़ा साफ हो जाएगा।

एक तरफ संविधान के रक्षक हैं, दूसरी तरफ संविधान के भक्षक हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स

पर एक तस्वीर साझा की जिसमें वह तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के साथ बैठे हुए हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, जब जोशीले नौजवान मिल जाते, बड़े-बड़े तख्त हिल जाते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा को किसानों के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं है। भाजपा सिर्फ सत्ता पर काबिज होने के लिए षड्यंत्र और साजिश करती है। बेमौसम बरसात से प्रदेश का किसान त्राहि-त्राहि कर रहा है लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी सरकार चुनावी गणित बैठाने में दिल्ली-लखनऊ एक किए हुए हैं।

अखिलेश से न तो कोई बैर और न ही मनभेद है : स्वामी प्रसाद

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश से न तो उनका कोई बैर है और न ही कोई मनभेद है। उनका सम्मान सदैव करते रहेंगे। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को सुरक्षा मिलने पर भी उन्होंने खुशी जताई। भाजपा और बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को बिना शर्त समर्थन करेंगे। मौर्य ने कहा कि बसपा में सक्रिय रहे सुभाष चंद्र लहरी को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। बामसेफ की तर्ज पर राष्ट्रीय शोषित बुद्धिजीवी संघ का गठन किया गया है। इसके मुख्य प्रेरक विनोद मिलिंद और सह मुख्य प्रेरक श्यामलाल गौतम को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने जो नारा दिया था, उसे बसपा प्रमुख मायावती ने बदल दिया है। भाजपा राज में किसान, मजदूर, छात्र व नौजवान सभी परेशान हैं। इंडिया गठबंधन देश की आवश्यकता है। भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी है। जहां भी इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कहेगा, वे वहां सेवाएं देने को तैयार हैं। कहा कि सपा में रहते हुए उन्होंने जिन नेताओं को भाजपा का एजेंट बताया था, रास चुनाव में यह साबित भी हो गया।

पूरी तरह सोच समझकर प्रत्याशी उतारेगी बसपा

» मायावती को दी गई दावेदारों की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे राजनीतिक दलों में टिकट बंटवारे को लेकर हो रहे उलटफेर पर बसपा की नजर है। चुनाव में सबसे पहले प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने वाली बसपा इसी वजह से इस बार संभालकर कदम बढ़ा रही है। पिछले चुनाव में सपा से गठबंधन से आधी से ज्यादा सीटों पर उसने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे जिससे इस बार पार्टी को नए सिरे से इन सीटों पर प्रत्याशी चयन के लिए मेहनत करनी पड़ रही है।

बसपा सुप्रीमो मायावती प्रत्याशियों के चयन के लिए रोजाना मंडल और सेक्टर

प्रभारियों के साथ बैठक कर रही हैं। पार्टी उन दावेदारों को तवज्जो दे रही हैं, जिन्हें बीते चुनावों में दो लाख से अधिक वोट मिले थे। जिन सीटों पर ऐसे प्रत्याशी नहीं मिल रहे, वहां पार्टी अपने जोनल को-ऑर्डिनेटर को ही टिकट देने की रणनीति अपना सकती है। सूत्रों की मानें तो बसपा सुप्रीमो को अब तक अधिकतर दावेदारों की सूची पार्टी पदाधिकारियों ने सौंप दी है, जिस पर मंथन चल रहा है।

चुनाव अभी दूर, पर बढ़ी सियासी हलचल

महाराष्ट्र, बंगाल, बिहार से लेकर हिमाचल तक उठापटक जारी

» इंडिया गठबंधन व एनडीए में आरोप-प्रत्यारोप शुरू

» मोदी, राहुल, खरगे, शाह चुनावी सभाओं में जाने लगे

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, बंगाल, बिहार से लेकर हिमाचल तक सियासी पार्टियों में उठापटक जारी है। देश में इस साल लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। माना जा रहा है कि इस बार भी चुनाव अप्रैल-मई के महीने में करवाए जा सकते हैं। यही वजह है सभी दलों ने सीट बंटवारा और चुनावी रणनीति बनाना शुरू कर दिया। जहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार के क्षेत्र बारामती में इस बार उनकी बेटी सुप्रिया सुले एवं बहू सुनेत्रा पवार (महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी) के बीच चुनावी जंग के संकेत मिलते ही तीन पीढ़ियों के झगड़े सामने आने लगे हैं। इन्हीं झगड़ों में शरद पवार से अजीत की बगावत के राज भी छिपे दिख रहे हैं।

कुछ दिनों पहले अजीत पवार ने एक्स पर एक पत्र जारी कर अपने चाचा शरद पवार से बगावत का कारण बताया था। उनके खुले पत्र के बाद अब बारामती में 'बारामतीकरांची भूमिका' (बारामती के लोगों की भूमिका) शीर्षक वाला एक गुमनामी पत्र जारी हुआ है। इसमें पवार परिवार की राजनीति में शुरुआत का इतिहास बताते हुए लिखा गया है कि सबसे पहले शरद पवार की माता स्व. शारदाबाई पवार स्थानीय निकाय सदस्य के रूप में चुनकर आईं। उसके बाद उनके सबसे बड़े पुत्र अप्पासाहेब पवार एवं मंझले पुत्र शरद पवार राजनीति में आए। अप्पासाहेब उस समय की मजबूत पार्टी शेतकरी कामगार पक्ष से जुड़े थे, जबकि शरद पवार ने कुछ दिन बड़े भाई के साथ रहने के बाद कांग्रेस का रुख किया। गुमनाम पत्र जारी होने के बाद राजेंद्र पवार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ऐसे गुमनाम पत्र तभी जारी होते हैं, जब लोगों पर दबाव होता है। लेकिन, दबाव किसका, किस पर है, यह वह स्पष्ट नहीं करते। वैसे यह स्पष्ट हो चुका है कि राजनीति में पवार परिवार की चार पीढ़ियों में से बाद की तीन पीढ़ियों में वर्चस्व की लड़ाई तेज हो चुकी है। शरद पवार के नेतृत्व एवं अजीत पवार के खून-पसीने से तैयार हुए बारामती क्षेत्र पर भविष्य में शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले राज करेंगी या राजेंद्र पवार का पुत्र रोहित पवार या अजीत पवार का पुत्र पार्थ पवार, इसका निर्णय इस बार का लोकसभा चुनाव कर देगा।

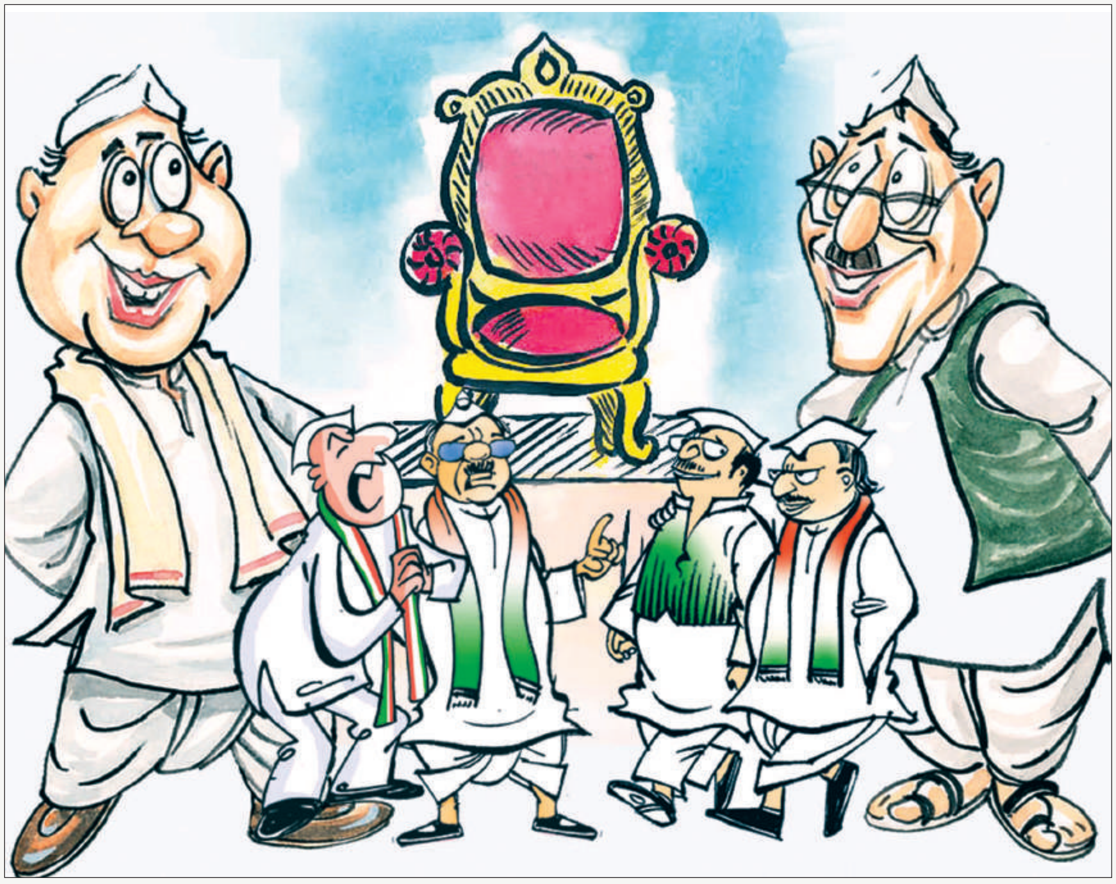

मां से विरासत में मिली राजनीति

पवार के बाद की पीढ़ी के लिए परिवार में दो लड़के तैयार थे। बड़े भाई अप्पासाहेब के पुत्र राजेंद्र पवार और दूसरे नंबर के भाई अनंतराव पवार के पुत्र अजीत पवार। राजेंद्र पवार का कहना है कि उस समय मैं खेती-बाड़ी देख रहा था, इसलिए मेरे हर तरह से सक्षम होने के बावजूद मेरे पिता अप्पासाहेब और काका शरद पवार ने मिलकर मेरे दूसरे नंबर के चाचा अनंतराव के पुत्र अजीत पवार को राजनीति में आगे बढ़ाने का निर्णय किया। इसका परिणाम है कि अजीत पवार अब तक पांच बार राज्य के उपमुख्यमंत्री बन चुके हैं और शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले तीन बार बारामती संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व कर चुकी हैं।

तीसरी पीढ़ी को आगे बढ़ाने की कवायद

अब बारी आती है शरद पवार की तीसरी पीढ़ी की। झगड़े की शुरुआत यहीं से होती है। कहा जा रहा है कि अजीत पवार अपने पुत्र पार्थ पवार को राजनीति में आगे बढ़ाना चाहते हैं। पार्थ एक बार मावल संसदीय सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं, लेकिन शरद पवार अपने बड़े भाई अप्पासाहेब के पौत्र एवं राजेंद्र पवार के पुत्र रोहित पवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में रोहित अहमदनगर की कर्जत-जामखेड़ सीट से विधायक चुने गए हैं।

मोदी जुट गए चुनावी प्रचार में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,जिस तरह से टीएमसी यहां काम कर रही है, उसने पश्चिम बंगाल के लोगों को निराश किया है। लोगों ने लगातार टीएमसी को वोट दिया है लेकिन यह पार्टी अत्याचार और विश्वासघात का दूसरा नाम बन गई है। टीएमसी के लिए प्राथमिकता बंगाल का विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और विश्वासघात है। टीएमसी बंगाल के लोगों को गरीब बनाए रखना चाहती है ताकि उनकी राजनीति चलती रहे, उनका खेल चलता रहे।

हिमाचल में सियासी हलचल- सुक्खू व विक्रमादित्य में अनबन

कांग्रेस नेतृत्व ने हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बाद आए सियासी संकट को टालने के लिए समन्वय समिति का फार्मूला निकालने की कोशिश की, लेकिन सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर से खतरा अभी टला नहीं है। विक्रमादित्य सिंह का खेमा सीएम सुक्खू को बदलने को लेकर आर-पार के मूड में है। चंडीगढ़ में कांग्रेस के बागी पूर्व विधायकों से मिल कर

दिल्ली पहुंचे विक्रमादित्य सिंह के अगले कदम को लेकर सस्पेंस बरकरार है। विक्रमादित्य सिंह बीजेपी में शामिल होने को लेकर दुविधा में हैं। इसकी वजह ये है कि ऐसा करने पर वीरभद्र सिंह की सियासी विरासत एक तरह से खत्म हो जाएगी। ऐसे में दूसरा विकल्प यह है कि विक्रमादित्य वीरभद्र कांग्रेस जैसी नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। हिमाचल विधानसभा के मौजूदा संख्याबल के मुताबिक विक्रमादित्य सिंह के साथ तीन और विधायक टूटे तो सुक्खू सरकार गिर जाएगी। वहीं, स्पीकर द्वारा अयोग्य घोषित किए गए कांग्रेस के छह पूर्व विधायकों को यदि कोर्ट से फौरी राहत मिल जाती है तो फिर सदन में अकेले विक्रमादित्य सरकार गिराने के लिए काफी होंगे। इस बीच सीएम सुक्खू विक्रमादित्य के करीबी विधायकों को अपने पाले में करने में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस आलाकमान भी शिमला पर नजर बनाए हुए है।

बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर दो एमएलए को नोटिस

राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी विधायक एस टी सोमशेखर को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। राज्यसभा चुनाव के दौरान बीजेपी विधायक एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग की है। बीजेपी विधायक शिवराम हेब्बार को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। शिवराम हेब्बार चुनाव के दौरान अनुपस्थित थे। दोनों विधायकों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है और जवाब देने को कहा गया है।

गंभीर व जयंत सिन्हा ने राजनीति छोड़ने का मन बनाया

पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। वहीं बीजेपी के झारखंड से सांसद जयंत सिन्हा ने भी राजनीति से संन्यास लेने का मन बना लिया है। उन्होंने इसके लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गौतम ने लिखा, कि मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुझे मेरे राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने की गुजारिश की है, ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। मुझे

लोगों की सेवा का मौका देने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह का ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं, जय हिंद।

दक्षिण में एमएमके व डीएमके में सीटों पर बातचीत का दौर

डीएमके के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत पर मनिथानेया मक्कल काची (एमएमके) के अध्यक्ष और विधायक एमएच्च जवाहिरुल्ला ने कहा कि हमने डीएमके से संसदीय चुनावों के लिए हमें एक सीट आवंटित करने के लिए कहा है। हमने आज टीआर बालू के नेतृत्व वाली टीम के साथ विस्तृत चर्चा की। हमने डीएमके प्रमुख से अच्छी प्रतिक्रिया की उम्मीद है। तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन बहुत मजबूत है।

हिमाचल में एंटी डिफेक्शन लॉ यानी दल बदल विरोध कानून का भी डर

हिमाचल प्रदेश की राजनीतिक आग बुझाने के लिए विधानसभा स्पीकर ने कांग्रेस के 6 विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी। दल-बदल विरोधी कानून के इतिहास में पहली बार 22 घंटे के भीतर विधायकों पर कार्रवाई हुई। इन विधायकों पर पार्टी व्हिप न मानने का आरोप था। विधानसभा रिकॉर्ड के मुताबिक 28 फरवरी को दोपहर 12 बजे इन विधायकों के दल बदल की शिकायत की गई, जिस पर अध्यक्ष ने तुरंत सुनवाई की और अगले दिन 29 फरवरी को 10 बजे के आसपास इन विधायकों की सदस्यता रद्द करने का फैसला सुनाया। बागी नेताओं ने इस एक्शन को गलत कहा है और फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब दल बदल कानून एक्शन की वजह से सुर्खियों में है, भारत में सरकार बनाने और गिराने में यह कानून कई मौकों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। साल 1985 में केंद्र सरकार ने विधायिका के भीतर दलबदल को रोकने के लिए भारत के संविधान में 52वां संशोधन किया गया। इसके बाद 10वीं अनुसूची आस्तित्व में आई। 10वीं अनुसूची के मुताबिक दलबदल के मुद्दे पर सांसदों और विधायकों पर कार्रवाई का अधिकार स्पीकर के पास है। 10वीं अनुसूची में आखिरी संशोधन 2003 में किया गया था। इसके मुताबिक अंदर और बाहर दोनों जगह उनके आचरण के लिए अयोग्यता की कार्रवाई का अधिकार सदन के स्पीकर को दिया गया है. इस कानून का उपयोग कर स्पीकर दलबदलुओं पर कार्रवाई कर सकते हैं। भारत में अब तक 7 मौकों पर दल बदल विरोध कानून के तहत विधायकों पर कार्रवाई हुई है। दो मौकों पर सांसदों के ऊपर भी गाज गिरी है। 2008 में एंटी डिफेक्शन लॉ के तहत पहली बड़ी कार्रवाई हुई थी। हरियाणा के स्पीकर ने दल बदल के आरोप को सही मानते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल की सदस्यता रद्द कर दी थी. भजनलाल उस वक्त कांग्रेस में थे। भजनलाल पर आरोप था कि कांग्रेस से जीतने के बाद उन्होंने खुद की नई पार्टी बना ली है, जो कांग्रेस के खिलाफ काम कर रही है. इस मामले की सुनवाई करीब 2 महीने तक चली थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद माननीयों की बढ़ी जिम्मेदारी

"दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों-विधायकों की डिजिटल निगरानी की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि देश के सभी सांसदों और विधायकों की हम निगरानी नहीं कर सकते। प्राइवेसी का अधिकार नाम की भी कोई चीज है। वे जो करते हैं उसकी निगरानी के लिए हम उनके पैरों या हाथों पर इलेक्ट्रॉनिक चिप नहीं लगा सकते।

उच्चतम न्यायालय ने सांसदों व विधायकों को बड़ी राहत दे दी है। शीर्ष अदालत ने उनकी निगरानी संबंधी याचिका खारिज कर दी। यह निर्णय जनप्रतिनिधियों के तो पक्ष में। यह ठीक भी है पर क्या ये आम जन के हित में है ये विचारणीय प्रश्न है? अभी हाल ही कुछ सांसदों पर कुछ अनैतिक आरोप लगे थे। जिसकी वजह से संसद तक में हंगामा हुआ था। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी निगरानी से इंकार कर दिया है तो इसके बाद माननीयों पर बड़ी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह ऐसा कुछ न करे जिससे आम जन का उन पर से विश्वास डिगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों-विधायकों की डिजिटल निगरानी की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि देश के सभी सांसदों और विधायकों की हम निगरानी नहीं कर सकते।

प्राइवेसी का अधिकार नाम की भी कोई चीज है। वे जो करते हैं उसकी निगरानी के लिए हम उनके पैरों या हाथों पर इलेक्ट्रॉनिक चिप नहीं लगा सकते। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सांसदों-विधायकों से संबंधित जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। बेहतर पारदर्शिता के लिए सभी निर्वाचित सांसदों और विधायकों की गतिविधियों की डिजिटल निगरानी की मांग संबंधी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने सभी विधायकों की चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी के लिए दायर की गई याचिका पर आश्चर्य व्यक्त किया। वहीं एक अन्य फैसले में कोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्ति का इस्तेमाल करके सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के अंतरिम राहत देने के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। यह दखल इसलिए नहीं कर सकता क्योंकि 142 के तहत दी गई शक्ति का इस्तेमाल करके वह हाईकोर्ट के अंतरिम आदेशों को केवल छह महीने के लिए वैध बनाने वाली सीमा तय कर रहा है। इस तरह की पाबंदियां लगाना, संविधान के मूल ढांचे का एक अनिवार्य हिस्सा माने जाने वाले अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र को कमजोर करने जैसा होगा। 2018 के फैसले में कहा गया था कि अगर हाईकोर्ट किसी मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश देता है, और छह महीने के अंदर उस आदेश को दोबारा जारी नहीं किया जाता है, तो रोक अपने आप समाप्त हो जाएगी। जो गरीब याचिकाकर्ता हैं, जिन्हें हाईकोर्ट से स्टे मिला है अगर उनका स्टे खुद ब खुद रद्द हो जाता है तो वह फिर महंगे न्याय व्यवस्था का बोझ नहीं झेल पाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना हाईकोर्ट को सुने इस तरह के मामले में फैसले नहीं होने चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र को धन बल से बचाने की पहल

जगदीप एस. छोकर

पंद्रह फरवरी, 2024 का दिन भारत के लोकतंत्र के इतिहास में एक अहम दिन के रूप में याद रखा जाएगा। इस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम (ईबीएस) को असंवैधानिक करार दे दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भविष्य में बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी न करे। यह फैसला अभूतपूर्व है क्योंकि यह उस स्कीम को बंद करता है जिसके तहत विभिन्न राजनीतिक दलों को मार्च, 2018 से 2024 के बीच 16,518 करोड़ रुपया चंदे के रूप में मिला, इसका बड़ा हिस्सा केंद्र में सत्तासीन दल को गया है और शायद अपवादस्वरूप सत्तारूढ़ प्रशासन के अलावा किसी को नहीं पता कि किसने किसको कितना चंदा दिया। ईबीएस स्कीम की घोषणा फरवरी, 2017 में तत्कालीन वित्त मंत्री द्वारा अपने बजटीय भाषण के दौरान की गई थी। इसको शुरू करने के पीछे वजह बताई कि चुनाव चंदा प्राप्ति में पारदर्शिता बढ़ेगी। लेकिन जब स्कीम का विवरण पता चला तो यह साफ था कि ईबीएस से व्यवस्था में रही-सही पारदर्शिता भी जाती रहेगी।

अदालत के फैसले ने स्पष्ट किया है कि अदृश्य या चुनींदा या आंशिक पारदर्शी या फिर चुनींदा आंशिक अपारदर्शिता वाली चंदा व्यवस्था इस देश में कतई अस्वीकार्य है, क्योंकि यह लोकतंत्र की नैतिकता के विरुद्ध है। न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले सबको समान अवसर मिलने के सिद्धांत को विशेष रूप से जहन में रखा है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का स्रोत जानने का देश के नागरिकों को पूरा हक है। यह सूचना के अधिकार को मजबूती प्रदान करता है, जिसकी फौरी जरूरत है। सालों से सरकारें और प्रशासन इस महत्वपूर्ण नागरिक हित केंद्रित कानून को हल्के में लेते आए हैं, यहां तक कि न्यायपालिका भी इसको लेकर सुस्त रही। यह फैसला इस कानून को कानूनन वैधता और सम्बल प्रदान करता है, जिसकी सख्त जरूरत थी।

देखा जाए तो न्यायालय ने जिस सबसे अहम मुद्दे को छेड़ा है वह है राजनीतिक दलों को कॉर्पोरेट्स द्वारा दिया जाना वाला चंदा, यह उपाय ईबीएस का नींव का पत्थर है या इस व्यवस्था को बनाने के पीछे का मुख्य मनोरथ। इस स्कीम के अंश के तौर पर, कंपनी एक्ट में संशोधन करते हुए उस प्रावधान को हटा दिया गया, जिसमें

पहले नियम था कि कोई कंपनी अपने पिछले तीन सालों के औसत मुनाफे का केवल 7.5 प्रतिशत ही राजनीतिक चंदे के रूप में दे सकती है। इस संशोधन ने ऐसी स्थिति बना दी कि कोई कंपनी जितना चाहे उतना चंदा राजनीतिक दलों को दे सकती है, भले ही वह खुद घाटे में क्यों न चल रही हो। इसी के समांतर विदेशी अंशदान नियंत्रण कानून (एसीआरए) में भी संशोधन किया गया जिसके जरिए विदेशी कंपनियों को भारत में अपनी उप-इकाइयां बनाना संभव हुआ और इनके माध्यम से राजनीतिक दलों को चंदा देना आसान बना। इसका एक संभावित चिंताजनक पहलू यह है कि इस ढंग का उपयोग करके विदेशी कंपनियां भारत में राजनीतिक दलों को विशाल चंदा देकर असल में मनमाफिक साध सकती हैं। संभवत: न्यायालय ने इस खतरे को भांप लिया और कहा कि कॉर्पोरेट्स पर अहद 7.5 फीसदी वाली सीमा को हटाना असंवैधानिक था। अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक को कहा है कि वह खरीदे गए प्रत्येक इलेक्टोरल बॉन्ड्स की विस्तृत जानकारी चुनाव आयोग को सौंपे। इस विवरण में हरेक इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीद तारीख, खरीदने वाले का नाम और किस मूल्य का है, यह बताना पड़ेगा। इलेक्टोरल बॉन्ड के रूप में किस राजनीतिक दल को कितना चंदा मिला, इसका विवरण भी संलग्न किया चाहिए। न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक को कहा है कि वह राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए प्रत्येक इलेक्टोरल बॉन्ड का विवरण जमा करवाए, जिसमें भुनाने की तिथि और उसका मूल्य शामिल हो। शीर्ष न्यायालय ने 6 मार्च तक यह तमाम सूचना चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया है। आगे यह भी कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक से जानकारी मिलने के एक हफ्ते के अंदर यानी 13 मार्च तक, चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे।

यह फैसला पारदर्शिता के हितार्थ बहुत बड़ा प्रोत्साहन है क्योंकि पिछले छह सालों से नागरिकों की नजरों से जो कुछ छिपाकर रखा गया था, वह अब देखने को मिलेगा। इसमें कॉर्पोरेट-राजनीतिक गठजोड़ और कई सालों से इनके बीच की संभावित सौदेबाजी की सारी न सही, कम-से-कम कुछ तो जानकारी उजागर होगी। अदालती फैसले के बाद जल्द ही कुछ लोगों द्वारा यह आशंका जताई गई कि न्यायालय के निर्देश पर खुलासा करना सच में फलीभूत नहीं हो पाएगा और इससे बच निकलने का कोई रास्ता ढूंढ़ लेंगे।

अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को हम हैं तैयार

प्रमोद भार्गव

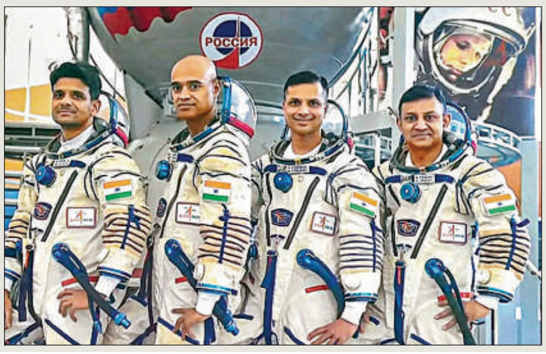

इन यात्रियों को 2025 में पृथ्वी से 400 किमी दूर स्थित कक्षा में भेजा जाएगा। ये केवल तीन दिन वहां रहेंगे। फिर भारतीय समुद्र में इन्हें उतारा जाएगा। ये चारों यात्री रूस के यूरी गागरिन अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले चुके हैं।

हाल ही में उन अंतरिक्ष यात्रियों के नाम उजागर कर दिए गए, जिनमें से तीन को अंतरिक्ष में उड़ान भरने का अवसर मिलेगा। ये हैं- प्रशांत नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और शुभांशु शुक्ला। ये सभी फाइटर पायलट हैं जो भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियान के साक्षी बनने गगनयान से सैर करने वाले हैं। नि:संदेह, 40 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा रहा है। परंतु इस बार वक्त भी हमारा है, काउंटडाउन भी हमारा है और रॉकेट भी हमारा है। इन यात्रियों को 2025 में पृथ्वी से 400 किमी दूर स्थित कक्षा में भेजा जाएगा। ये केवल तीन दिन वहां रहेंगे। फिर भारतीय समुद्र में इन्हें उतारा जाएगा। ये चारों यात्री रूस के यूरी गागरिन अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले चुके हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अभियान गगनयान की चरणबद्ध तैयारी में क्रायोजेनिक इंजन सीई-20 को उड़ान भरने के लिए स्वदेशी तकनीक से विकसित कर लिया है। गगनयान भारत का पहला ऐसा अंतरिक्ष अभियान होगा, जो तीन भारतीयों को लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा। इस दृष्टि से इंजन में सुधार में मानव सुरक्षा रेटिंग प्रक्रिया को सफल मान लिया गया है। इस इंजन को मानव मिशन के योग्य बनाने की दृष्टि से चार अलग-अलग स्थितियों में 39 हॉट फायरिंग टेस्ट से गुजरना पड़ा है। यह प्रक्रिया 8 हजार 810 सेकेंड तक चली। इस दौरान इन इंजनों को 6 हजार 350 सेकेंड तक जांच से गुजरना पड़ा। यह इंजन मानव रेटेड एलवीएम-3 प्रक्षेपण वाहन के ऊपरी चरण को शक्ति प्रदान करेगा। ये सब तैयारियां भेजे गए इंसान को सुरक्षित रूप में वापस लाने के लिए की जा रही हैं। यही इंजन अंतरिक्ष की उड़ानों से लेकर उपग्रहों के प्रक्षेपण एवं मिसाइल छोड़ने में काम आता है। नि:संदेह, हमारे वैज्ञानिकों ने अनेक विपरीत परिस्थितियों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद इस क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। अन्यथा एक समय ऐसा भी था, जब अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजेनिक इंजन देने से मना कर दिया था। अब वही रूस इस अभियान में हमारी सबसे ज्यादा मदद कर रहा है। असल में किसी भी प्रक्षेपण यान का यही इंजन वह अश्व-शक्ति है, जो भारी वजन वाले उपग्रहों व अन्य उपकरणों को अंतरिक्ष में पहुंचाने का काम करती है। दरअसल, भारत ने शुरुआत में रूस से इंजन खरीदने का अनुबंध किया था। लेकिन 1990 के दशक के आरंभ में अमेरिका ने मिसाइल तकनीक नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) का हवाला देते हुए इसमें बाधा उत्पन्न कर दी थी। इसका असर यह हुआ कि रूस ने तकनीक तो नहीं दी लेकिन छह क्रायोजेनिक इंजन जरूर भारत को शुल्क लेकर भेज दिए। कालांतर में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की मदद से भारत को एमटीसीआर क्लब की सदस्यता भी मिल गई, लेकिन इसके पहले ही इसरो के वैज्ञानिकों के कठोर परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते स्वदेशी तकनीक के बूते चरणबद्ध रूपों में इंजन को विकसित कर लिया गया। मानव मिशन की इस उड़ान के पहले चरण का सफल प्रक्षेपण इसरो पहले ही कर चुका है। देश के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे, को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम' यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर इसरो विश्व कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। इस बचाव प्रणाली की जरूरत इसलिए थी, क्योंकि यान के असफल होने पर कई वैज्ञानिक प्राण गंवा चुके हैं। इस परीक्षण के अंतर्गत क्रू मॉड्यूल रॉकेट से अलग हो गया और बंगाल की खाड़ी में गिर गया। इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ का कहना है कि इस मानव मिशन के लिए 'पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली' (ईसीएलएसएस) अन्य देशों से नहीं मिलने के कारण इसरो इसे स्वयं विकसित करेगा। गगनयान की उड़ान 2025 में भरी जाने की संभावना है। गगनयान परियोजना के तहत इसरो मानव चालक दल को 400 किमी ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजेगा। बाद में सुरक्षित पृथ्वी पर वापस समुद्र में उनकी लैंडिंग कराई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपये मंजूर किए जा चुके हैं। हालांकि अब तक भारतीय या भारतीय मूल के तीन वैज्ञानिक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। शर्मा रूस के अंतरिक्ष यान सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष गए थे। इनके अलावा भारतीय मूल की कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अमेरिकी कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष जा चुकी हैं। अब अंतरिक्ष में मानवरहित और मानवचालित दोनों तरह के यान भेजे जाएंगे। पहले चरण में योजना की सफलता को परखने के लिए अलग-अलग समय में दो मानव-विहीन यान अंतरिक्ष की उड़ान भरेंगे। इनकी कामयाबी के बाद मानव-युक्त यान अपनी मंजिल का सफर तय करेगा।

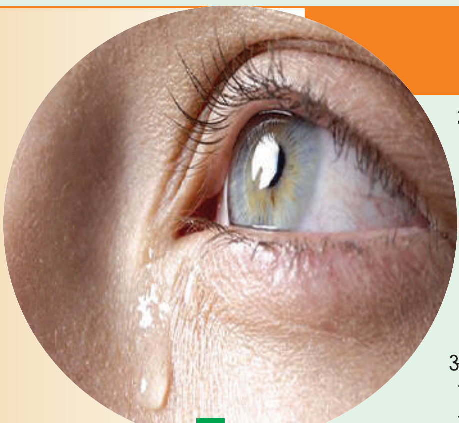

आंसू बहाना भी सेहत के लिए है फायदेमंद

बड़ी से बड़ी तकलीफ होने पर भी आंसू बहाने से बचते हैं तो जान लें खुलकर रोने से सेहत को कई सारे फायदे होते हैं। मेंटल हेल्थ से लेकर फिजिकल हेल्थ पर पॉजिटिव असर पड़ता है। बच्चे जब रोते हैं तो हर कोई उनकी फिक्र करने लगता है। लेकिन जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं। उन्हें ना आंसू ना बहाने की नसीहत दी जाती है। खासतौर पर लड़कों को सिखाया जाता है कि रोना कमजोर होने की निशानी है। लेकिन अगर आप खुलकर आंसू नहीं बहाते तो सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। कई सारी रिसर्च में पता चल चुका है कि रोना सेहत के लिए फायदेमंद है। अगर आप खुलकर आंसू बहाते हैं तो इससे मेंटल से लेकर फिजिकल हेल्थ पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

मूड सही होता है

अगर आप बुरा लगने पर रोते हैं तो इससे मूड को जल्दी सही होने में मदद मिलती है। साथ ही ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन हार्मोंस दर्द को कम करते हैं। आप भले ही रोने को कमजोरी समझे लेकिन एक बार रोकर आप ज्यादा कॉन्फिडेंट फील करते हैं। जब कोई इंसान बहुत ज्यादा तनाव में होता है तो उसका दिमाग दबाव में आ जाता है। ऐसे में रोने से दिमाग का दबाव हटता है और शरीर में ऑक्सीटॉसिन और इंडोरफिर कैमिकल्स रिलीज होता है जो मूड को बेहतर करता है और दिमागी दबाव और दर्द को दूर करने में मदद करता है। इससे दिल में छिपा गुबार कम होता है और तनाव कम होता है। इससे भावनात्मक दबाव कम होता है और आपका स्ट्रेस कम होने पर आप बेहतर महसूस कर पाएंगे और सही फैसले कर पाएंगे।

दिमाग को मिलती है शांति

रोने से इमोशन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है और मानसिक रूप से शांति मिलती है। ज्यादा स्ट्रेस महसूस होने पर अगर इंसान रोता है तो स्ट्रेस हार्मोंस और दूसरे केमिकल्स कम होते हैं। जिससे स्ट्रेस का लेवल कम होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रोने से डायरेक्ट दिमाग शांत होता है। स्टडी के मुताबिक रोने से पैरासिम्पैथेटिक नर्व्स सिस्टम एक्टीविट होता है। जिससे रिलेक्स होने में मदद मिलती है। रोना आपके दिमाग के साथ साथ आंखों की सेहत को भी दुरुस्त करता है. रोने से जब आंसू निकलते हैं तो आंखों के भीतर छिपे बैठे कई सारे बैक्टीरिया बहकर बाहर निकल जाते हैं। आंसू आंखों में छिपे बैठे कई तरह के रोगाणुओं को बाहर निकाल देते हैं जो आंखों को कई तरह के संक्रमण दे सकते हैं।

बैक्टीरिया मरते हैं

अगर आप आंसू बहाते हैं तो इससे आंखों में मौजूद हार्मफुल बैक्टीरिया को क्लीन होने में मदद मिलती है। आंसूओं में लिसोजाइम नाम का फ्लूएड होता है। 2011 में हुई स्टडी के मुताबिक लिसोजाइम पावरफुल एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टी लिए होता है जो आंखों को बैक्टीरिया से बचाता है। अगर आपकी आंखें सूखी लग रही हैं तो लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें। इसके अलावा घर में जलजमाव वाले क्षेत्र या पोखर बैक्टीरिया का स्थान हो सकते हैं और यदि बच्चे उनमें खेल रहे हैं तो बाद में उनकी आंखों को एंटी-बैक्टीरियल वाइप्स से साफ करना महत्वपूर्ण है नहीं तो आंखें बैक्टीरिया के संपर्क में आ सकती हैं। निकाल देते हैं जो आंखों को कई तरह के संक्रमण दे सकते हैं।

दर्द में राहत

इमोशनल होने पर निकलने वाले आंसू शरीर में ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन हार्मोंस को रिलीज करते हैं। ये हार्मोंस अच्छा महसूस कराने और इमोशनल दर्द से राहत पहुंचाने में मदद करते हैं। रोने से दर्द कम होता है और बेहतर महसूस होता है। आंसू निकलने से बच्चों में भी बड़ा हसर होता है क्योंकि बच्चे जरा सी चोट लगने पर भी रोने लगते हैं। तभी वो जल्दी ही बेहतर महसूस करते हैं। क्योंकि आंसू निकलने के कारण होता है।

अच्छी नींद के लिए रोना है बेहतर

कुछ लोगों को रात के वक्त नींद नहीं आती, ये दरअसल दिमागी बेचैनी के चलते होता है। ऐसे में रोने से रात को नींद अच्छी आती है। आपने छोटे बच्चों को देखा होगा, रोने के तुरंत बाद उनको गहरी नींद आती है, कई बच्चे तो रोते रोते ही सो जाते हैं क्योंकि रोने से दिमाग शांत होता है।

हंसना मना है

पहला दोस्त: यार मैंने अपनी बहन की डायमंड रींग चुराकर मेरी गर्लफ्रेंड को दे दी, दुसरा दोस्त : हरामखोर, दो दिन पहले खरीदकर दी थी तेरी बहन को, पहला दोस्त: अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की: कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का: शाहजहां जैसा, लड़की: तो ताजमहल बनवाओ, लड़का: जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की : तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु : है न तभी तो देख रहा हू, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

दुनिया बुरी हो सकती है तुम नहीं, लोग बुरे हो सकते है तुम नहीं, दुनिया बेवफा हो सकती है तुम नहीं, पागल ठीक हो सकते हैं तुम नहीं।

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक बुजुर्ग आदमी पास से गुजरा और बोला: बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का: नहीं अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

कहानी | साधु और चूहा

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति कराना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना थी। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। समय ऐसे ही आराम से निकल रहा था, लेकिन अब साधु के साथ एक अजीब-सी घटना होने लगी थी। वह जो खाना छींके में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा और ऊंची छलांग लगाकर छींके पर चढ़ जाता और भोजन निकाल लेता था। अब साधु चूहे से परेशान रहने लगा था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु को परेशान देखा और उसकी परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

वृषभ — वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन — जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क — स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

सिंह — धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या — मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला — दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर — विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ — समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन — राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग काउच का मैं भी हुई थी शिकार : अंकिता लोखंडे

पवित्र रिश्ता से फेम पाने वाली टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने अपने करियर और निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। अंकिता बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुकीं हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में रहने के इतने साल बाद कास्टिंग काउच को लेकर खुलकर बात की है। अंकिता ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें भी बहुत स्ट्रगल करना पड़ा था। जब उनके साथ ऐसा हुआ था तो वो महज 19 साल की ही थी। इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने साउथ की फिल्मों में ऑडिशन दिया था। उन्हें कॉल आया कि साइन करने आ जाओ। अंकिता ने बताया कि वो इस कॉल से काफी खुश थीं, लेकिन उनके मन में डाउट भी हो रहा था कि क्या सच में उनका सिलेक्शन हो गया। उन्हें लगा कि ये एक लक हो सकता है, या फिर सच में उन्होंने सच में अच्छा परफॉर्म किया होगा।

बातचीत में उन्होंने कहा उन्हें बारबार शक हो रहा था कि इतनी आसानी से उनका सिलेक्शन कैसे हो सकता है। उन्होंने दोबारा प्रोडक्शन कंपनी से पूछा कि क्या सच में उन्हें सिलेक्ट कर लिया गया है। इसके जवाब में उन्हें कहा गया, कि हां हो गया है लेकिन इसके लिए एक शर्त पूरी करनी होगी। इस रोल के लिए आपको उनके साथ सोना पड़ेगा। अंकिता को गुस्सा आ गया और उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आपके प्रोड्यूसर को फिल्म के लिए टैलेंटेड इंसान की जरूरत है।

द ब्लफ में कार्ल अर्बन संग जोड़ी जमायेंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनके पास कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है, वहीं अब अभिनेत्री ने अपनी एक और नई हॉलीवुड फिल्म की घोषणा कर दी है। प्रियंका ने आधिकारिक तौर पर अपनी नई मनोरंजक फिल्म द ब्लफ की घोषणा कर दी है। हालांकि, बीते कुछ समय से ये खबरें सामने आ रही थीं कि अभिनेत्री ने नए फिल्म साइन की है, लेकिन अब उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर इस पर मुहर लगा दी। फिल्म में प्रियंका हॉलीवुड अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ अभिनय करेंगी।

प्रियंका की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। द ब्लफ का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स करेंगे। हिट फिल्म बॉब मार्ले: वन लव के सह-लेखन के बाद उन्हें लोकप्रियता मिली थी, इस फिल्म ने दुनिया भर में 120 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की थी। प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा किया और लिखा, कभी-कभी हमें आशा होती थी कि यदि हम जिंदा रहे और अच्छे रहे तो भगवान हमें समुद्री डाकू बनने की अनुमति देंगे। वहीं बात करें द ब्लफ की कहानी के बारे में तो यह 19वीं सदी के कैरेबियन पर आधारित है और एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की कहानी है। प्रियंका चोपड़ा समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी परिवार की रक्षा करने के इर्द-गिर्द भी घूमती है। निर्माता फिल्म की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण एजीबीओ के एंथोनी रूसो, जो रूसो, एंजेला रूसो-ओटस्टोट और माइकल डिस्को द्वारा किया जाएगा।

वहीं बात करें प्रियंका चोपड़ा की आने वाली फिल्मों के बारे में तो द ब्लफ के अलावा अभिनेत्री के पास कुछ हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनमें जॉन सीना के साथ हेड ऑफ स्टेट और सिटाडेल 2 शामिल हैं। प्रियंका अभिनेत्री आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म जी ले जरा के जरिए बॉलीवुड में भी वापसी करेंगी।

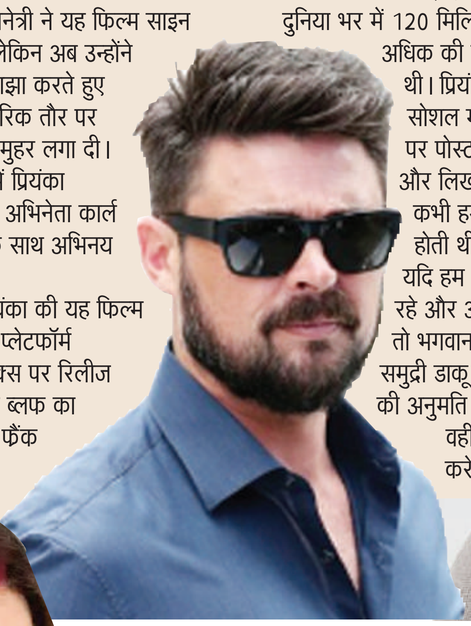

समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड में वापसी करेंगी मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। मीनाक्षी के फैंस अभी से ही उन्हें देखने को बेताब हो रहे हैं। फिल्म पेंटर बाबू से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मीनाक्षी बॉलीवुड में अपनी वापसी के बारे में मीडिया से खुलकर बातें करती नजर आई।

मीनाक्षी शेषाद्री शादी के बाद बॉलीवुड को छोड़ अमेरिका चली गई थीं। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ एक काम नहीं है। मेरे लिए यह जुनून है। मेरे खून में अभिनय है। मेरे परिवार को इस बात की जानकारी है और उन्होंने मेरा समर्थन किया है। मैं अब पूरी तरह से अभिनय में रम जाना चाहती हूं।

मीनाक्षी शेषाद्री अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं हमेशा से अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती आई हूं। अमेरिका में मेरे लिए ज्यादा अवसर नहीं थे इसलिए मैं यहां बॉलीवुड में लौट आई हूं। मेरे इस फैसले में सबने मेरा सहयोग किया है। मैं अब अलग तरह की भूमिकाएं निभाना चाहती हूं।

जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही मीनाक्षी शेषाद्री बॉलीवुड के मशहूर निर्देशकों के साथ काम कर चुकी हैं। मीनाक्षी कहती हैं, मैं नए विषयों पर बन रही फिल्मों में काम करना चाहती हूं। मैं टाइपकास्ट नहीं होना चाहती हूं। मीनाक्षी शेषाद्री गुजरे दिनों को याद करते हुए कहती हैं, मैं काफी खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे सुभाष घई से लेकर मनोज कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला था। उन लोगों के साथ काम करके मैंने काफी कुछ सीखा है।

30 अरब का मालिक है दुनिया का सबसे अमीर कुत्ता, रहने को बंगला

दुनिया का सबसे अमीर डॉग का नाम गंथर 6 है। वह बहामास विला के ऐसा विला का मालिक है जो पहले मडोना का था। इसके अलावा भी कई बंगले हैं। इसके पास एक बड़ा सा याट तक है। इसकी दिन रात सेवा करने के लिए नौकर चाकर रहते हैं। यह एक फुटबॉल क्लब का भी मालिक है। दुनिया में अमीरों की आलीशान लाइफस्टाइल को बारे में तो आपने बहुत सुना होगा। पर क्या आपने दुनिया के सबसे अमीर कुत्ते के बारे में सुना है जो बहुत ही लक्जरी लाइफ जी रहा है और उसकी क्वालिटी ऑफ लाइफ दुनिया के बहुत से इंसानों के मुकाबले ही बहुत ही ज्यादा बेहतर और शानदार है?इस डॉग के नाम करीब 30 अरब की सम्पत्ति है। यह बीएमडब्ल्यू की सवारी करता है और इसके नाम कई बंगले तो हैं ही, एक फुटबॉल क्लब भी है। कंदेर 6 नाम का यह जर्मन शेपर्ड कहीं और नहीं बल्कि मशहूर पॉप गायिका रह चुकीं मेडोना के पुराने घर में रहता है और उसके पास एक बड़ा याट भी है जहां पर बाहमास के विला से उसके लिए नौकर आते हैं। यह जानवर अपने 6 अरब 81 करोड़ की घर में रहता है जो कि कैरिबियन द्वीपों में है और यह फुटबॉल क्लब तक चलाता है। इतना ही नहीं गंदर की टीम ने यह भी खुलासा किया है कि वह कई बार आलीशान डिनर और यॉट ट्रिप्स पर जाता है और दुनिया घूमता रहता है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक इस डॉग का पैसा यह खुद नहीं बल्कि एक इटली का एक 66 साल का आंत्रेप्रेन्योर मौरिजियो मियान नियंत्रित करता है। दरअसल मियान गंदर कॉर्पोरेशन के सीईओ हैं जो इस डॉग के असली मालिक के 29 अरब दो करोड़ रुपये की छोड़ी गई सम्पत्ति के देख रेख कर रहे हैं। जर्मन काउंटेस कैरलोटा लेबिनस्टेन ने अपने सारी जायदाद इस कुत्ते के नाम कर दी थी। गुंदर के पीआर लकी कार्ल्सन का कहना है कि जब लेबिनस्टेन की मौत हुई थी तब उनका कोई नजदीकी रिश्तेदार नहीं था, ना ही कोई उनके नजदीक था। यही कारण था कि लेबिनस्टेन ने अपनी सारी जायदाद अपने प्यारे से कुत्ते के नाम कर दी थी। इसके बाद गंदर ट्रस्ट बनाया गया जिसका काम यह सुनिश्चित करना है कि पूरी जायदाद गंथर और उसके परिवार के पास ही रहे। इसके नाम कई फुटबॉल क्लब भी है। इसके अलावा भी कई सम्पत्तियां इसके नाम हैं। हाल ही में गंथर पर एक फिल्म भी बन रही है। इसको लेकर निर्माताओं का कहना है कि वैसे तो गंथर के बारे में पिछले कई सालों से कई तरह की कहानियां चल रही हैं, लेकिन उनके पास उनके पास बहुत सारी सही और गहरी जानकारी है वे उम्मीद कर रहे हैं यह एक शानदार स्टोरी होगी जिसे लोग खूब पसंद करेंगे।

अजब-गजब | दुनिया के सबसे सुंदर शहर के बारे में जानकार हो जाएंगे हैरान!

विश्वयुद्ध की गवाह हैं लंदन में सड़क पर लगी हुई मुड़ी-तुड़ी पुरानी रेलिंग

लंदन को दुनिया के खूबसूरत शहरों में से एक माना जाता है। जब आप यहां की सड़कों पर घूमेंगे, तो आपको गुजरे हुए जमाने की कई ऐसी चीजें नजर आएंगी, जिसका इतिहास में बहुत महत्व रहा है। पर शायद आज के लोगों को उनके महत्व के बारे में ठीक तरह से नहीं पता है। लंदन की कुछ सड़कों के किनारे आपको मुड़ी-तुड़ी, पुरानी रेलिंग नजर आएंगी। आपको लगेगा कि जब शहर अपनी खूबसूरती में इतना परफेक्ट है, तो फिर रेलिंग क्यों ऐसी लगाई गई है! मगर जब आप इस रेलिंग का इतिहास जानेंगे, और इसे यहां लगाने का कारण आपको पता चलेगा, तो आप हैरान हो जाएंगे।

लंदन की कुछ सड़कों के किनारे आपको जालीदार रेलिंग दिखेंगी, जिसके कोने लोहे के रॉड से बने होंगे। ये रॉड चारों ओर से मुड़ हुए होंगे। दरअसल, इस रेलिंग के तार दूसरे विश्वयुद्ध से जुड़े हुए हैं। ये असल में रेलिंग नहीं, स्ट्रेचर हुआ करते थे। स्ट्रेचर पर मरीजों को लेटाकर अस्पताल ले जाया जाता था। युद्ध की वजह से घायल और मरने वालों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ गई थी। इतनी कि स्ट्रेचर कम पड़ने लगे थे।

एटलस ऑब्सक्योरा वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ये इमर्जेंसी स्ट्रेचर थे जो एयर रेड प्रोटेक्शन ऑफिसरों द्वारा इस्तेमाल किए जाते थे। जो भी सिपाही घायल होता था, उसे इस स्ट्रेचर पर लेटकर अस्पताल ले जाया जाता था। दूसरा विश्वयुद्ध शुरू होने से पहले ही सरकार को अंदाजा हो गया था कि युद्ध के दौरान इनकी आवश्यकता होगी, तो करीब 5 लाख स्ट्रेचर का निर्माण, सिर्फ 1 साल में किया गया था।

इसे बनाना आसान और सस्ता था क्योंकि बीच में सिर्फ लोहे की जाली लगी थी, जिसपर घायल व्यक्ति लेटता था, और उसे लोहे के दो रॉड से जोड़ा जाता था। उन दो रॉड को कोनों से मोड़ दिया जाता था, जिससे स्ट्रेचर को पकड़ने, या फिर कंधे पर रखने में आसानी हो। इस तरह के स्ट्रेचर को साफ रखना भी काफी आसान था। युद्ध के दौरान लंदन के कई रिहायशी इलाकों में लगी लोहे की रेलिंग को निकाल लिया जाता और उससे ये स्ट्रेचर बना दिए जाते। युद्ध खत्म होने के बाद जब सैकड़ों स्ट्रेचर बच गए, तो प्रशासन ने तय किया कि उन स्ट्रेचर को जमीन में गाड़कर हटाए गई रेलिंग की भरपाई की जाएगी। इस तरह इन रेलिंग को लगाया गया। रिपोर्ट के अनुसार ये रेलिंग बेकट स्ट्रीट और पिलगिमेज स्ट्रीट पर देखने को मिल सकती है।

अन्याय के चलते देश में बढ़ रही है नफरत : राहुल

» बोले- बेरोजगारी दर 40 साल में सबसे ज्यादा

» सैनिकों के कम होते लाभ चिंता की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान न्याय शब्द के महत्व पर जोर दिया और देश में नफरत बढ़ने के लिए मौजूदा अन्याय को जिम्मेदार ठहराया। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में स्थित मोहना में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने आर्थिक व सामाजिक असमानता और किसानों तथा युवाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार को प्रमुख चिंताओं के रूप में चिह्नित किया। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान गांधी ने यहां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और नोटबंदी जैसी नीतियों के प्रतिकूल प्रभावों की आलोचना की और इन्हें बेरोजगारी दर में वृद्धि की वजह बताया। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी दर 40 साल में सबसे ज्यादा है।

कांग्रेस सांसद ने दावा किया, जीएसटी और नोटबंदी के कारण बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है। अब बेरोजगारी दर पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक है। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि भारत की युवा बेरोजगारी दर पाकिस्तान जैसे देशों से भी अधिक है। उन्होंने इसके लिए सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया, जिसने छोटे व्यवसायों पर बुरा असर डाला है। राहुल गांधी ने कहा कि अपनी यात्रा के दूसरे

चरण की शुरुआत करते समय उन्होंने न्याय शब्द को शामिल किया, क्योंकि आर्थिक व सामाजिक क्षेत्रों में अन्याय और किसानों तथा युवाओं के खिलाफ अन्याय के कारण देश में नफरत फैल रही है।

उन्होंने सैनिकों, विशेष रूप से अग्निपथ योजना के तहत भर्ती युवाओं के लिए कम होते लाभों पर अफसोस जताया। इनके बारे में गांधी ने दावा किया कि उन्हें आवश्यक सहायता से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अग्निवीरों को देश के लिए अपनी जान गंवाने पर शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि इन्हें पेंशन और कैंटीन की सुविधा भी नहीं मिलेगी। राहुल गांधी ने अन्य पिछड़ा वर्ग, आदिवासियों और दलितों सहित 70 प्रतिशत आबादी के कथित तौर पर हाशिए पर होने का दावा करते हुए इन्हें शासन और व्यापार के अवसरों से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्र सरकार पर किसानों के बजाय उद्योगपतियों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाते हुए चुनिंदा उद्योगपतियों के बड़े पैमाने पर ऋण माफ करने की आलोचना की। लोकसभा चुनाव से पहले गांधी के नेतृत्व में यात्रा ने शनिवार दोपहर को मुरैना जिले से मध्य प्रदेश में प्रवेश किया। यह राज्य के शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, धार और रतलाम जिलों से होकर गुजरी।

अग्निपथ योजना के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हुआ: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को अग्निपथ योजना को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने और भारत में सशस्त्र बलों की भर्ती प्रक्रिया को गंभीर रूप से बाधित करने का आरोप लगाया। मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व सैनिकों, संभावित अग्निवीरों और उन युवाओं के साथ बातचीत की, जिनकी सशस्त्र बलों में नियमित भर्ती अग्निपथ योजना के कारण बाधित हुई है। गांधी की मुलाकात के बाद कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 50वें दिन की सुबह तीन समुदायों के साथ 40 मिनट तक बातचीत की। उन्होंने आरोप लगाया, अग्निपथ योजना से राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया गया है और इससे भारत में सशस्त्र बलों की भर्ती प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित हुई है। रमेश ने दावा किया, पूर्व सैनिकों ने कहा है कि इस योजना के जरिए सशस्त्र बलों का मनोबल गिराकर और हमारे सैनिकों को मात्र छह महीने में प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया गया है।

उन्होंने कहा, संभावित अग्निवीर योजना के कारण प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा के नुकसान को लेकर असंतुष्ट हैं। रमेश ने कहा, लगभग 1.5 लाख युवा ऐसे हैं जिन्होंने सशस्त्र बलों में नियमित भर्ती के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली थी, लेकिन अग्निपथ योजना की मनमानी शुरुआत के कारण उन्हें भर्ती नही किया गया है। अग्निपथ योजना में साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल के लिए भर्ती करने और चार साल के बाद 25 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवाएं 15 और वर्षों तक जारी रखने का प्रावधान है।

छलकपट से रेलवे के कुप्रबंधन को छिपाया नहीं जा सकता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के दौरान भारतीय रेलवे को जिस तरह से कुप्रबंधित किया गया है, उसे चालाकीपूर्ण प्रचार के जरिए छिपाया नही जा सकता। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि रेलवे के लिए नीतियां केवल अमीरों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही, और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास धोखे की गारंटी है। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज से यात्रा के सपने दिखाकर प्रधानमंत्री उन्हें गरीबों की सवारी रेलवे से भी दूर कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हर साल किराए में 10 प्रतिशत वृद्धि, डायनेमिक फेयर (मांग के अनुरूप किराया बढ़ाने) के नाम पर लूट, टिकट रद्द कराने के बढ़ते शुल्क और महंगे प्लेटफार्म टिकट के बीच, लोगों को एक ऐसी एलीट ट्रेन की तस्वीर दिखाकर बहलाया जा रहा है जिस पर गरीब पैर तक नही रख सकता। उन्होंने दावा किया, सरकार ने पिछले तीन वर्ष में वरिष्ठ नागरिकों से करोड़ों रुपए वसूले हैं और ये काम उसने वरिष्ठ नागरिकों को दी गई छूट को छीन कर किया है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रचार के लिए चुनी गई ट्रेन को प्राथमिकता देने के लिए आम लोगों की ट्रेन की गति धीमी कर दी जाती है।

भाजपा नेता हमेशा जुमलेबाजी करते हैं, वह झूठ की फैक्ट्री हैं : तेजस्वी

राजद का मतलब अधिकार रोजगार और विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झूठ की फैक्ट्री होने का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का मतलब अधिकार, रोजगार और विकास है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जनविश्वास महारैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता हमेशा जुमलेबाजी करते हैं, लेकिन हम इस देश और बिहार के लोगों के अधिकारों और नौकरियों के लिए लड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि राजद मुस्लिम और यादव (एमवाई) की पार्टी है, लेकिन असल में यह एम-

वाई और बाप (बीएएपी) की पार्टी है जिसमें बी से बहुजन, ए से अगड़ा, ए से आधी आबादी (महिलाएं) और पी से गरीब है। राजद के युवा नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, महागठबंधन सरकार ने बिहार में पिछले 17 महीनों में जो किया भाजपा से हाथ मिलाने वाले नीतीश जी पिछले 17 वर्षों में नहीं कर सके। कुमार के बार-बार पलटी मारने पर हिंदी फिल्म के गाने इधर चला मैं उधर चला सुना कर तंज कसा।

बड़बोले व अभद्र बोलने वाले बने डिप्टी सीएम

कुमार कैबिनेट में शामिल बिहार भाजपा नेताओं पर हमला करते हुए तेजस्वी ने कहा कि वर्तमान में बिहार में दो उपमुख्यमंत्री है जिनमें से एक उप मुख्यमंत्री अभद्र भाषा इस्तेमाल करने वाले हैं और दूसरे बड़बोले हैं। राजद नेता ने कहा कि जो बड़बोले उपमुख्यमंत्री है, उन्होंने पिछले 14 वर्षों में एक भी चुनाव नही लड़ा है और आखिरी बार उन्होंने राजद के टिकट पर ही चुनाव जीता था। भाजपा नीत राजग पर विधायकों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने का आरोप लगाते हुए तेजस्वी ने कहा, इससे महागठबंधन पर कोई फर्क नही पड़ेगा।

विस्फोट मामले की जांच में एनआईए की करेंगे मदद : सीएम सिद्धरमैया

» भाजपा को इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए

» भाजपा के कार्यकाल में हुए थे चार बम धमाके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चिकमगलुरु (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि सरकार जरूरत पड़ने पर रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने पर विचार कर सकती है। वैसे जांच में पूरी मदद की जाएगी। ब्रूकफील्ड इलाके में एक मार्च को एक लोकप्रिय रेस्तरां में हुए विस्फोट के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) इस मामले में जांच कर रही है।

विस्फोट में 10 लोग घायल हुए हैं। घटना की एनआईए से जांच कराने की भाजपा की मांग पर सिद्धरमैया ने कहा, हम विचार करेंगे। अभी तो जांच शुरू हुई है। अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अगर जरूरत पड़ी तो हम (एनआईए जांच के लिए) विचार करेंगे। भाजपा के आरोप पर कि ब्रांड बेंगलुरु की जगह शहर अब बम बेंगलुरु हो गया है, सिद्धरमैया ने कहा, जब भाजपा के कार्यकाल में चार बम धमाके हुए थे तो इसे क्या कहा जाए? जब मंगलुरु में प्रेशर कुकर विस्फोट हुआ, तब कौन शासन कर रहा था? मल्लेश्वरम में भाजपा कार्यालय के सामने धमाका हुआ था। तब किसका शासन था?

शार्दुल ठाकुर के शतक से मुंबई मजबूत

» रणजी सेमीफाइनल : तमिलनाडु पर 207 रन की बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शार्दुल ठाकुर की 109 रन की शतकीय पारी और तनुष कोटियान की नाबाद 74 रन की अर्धशतकीय पारी आर साई किशोर के छह विकेट के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पर भारी पड़ गई, जिससे मुंबई ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन तमिलनाडु पर पहली पारी के आधार पर 207 रन की बढ़त बना ली। स्टंप तक मुंबई ने नौ विकेट गंवाकर 353 रन बना लिए थे और कोटियान के साथ तुषार देशपांडे 17 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

मुंबई ने एक समय 106 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद शार्दुल ने महज 104 गेंद में 13 चौके और चार छक्के की मदद से शतकीय पारी खेलकर टीम की वापसी कराई। मुंबई ने सुबह दो विकेट पर 45 रन से आगे खेलना शुरू किया। इसके बाद श्रेयस अय्यर को छोड़कर साई किशोर ने मुंबई के पांच विकेट झटके दिए। अय्यर (03) तेज गेंदबाज संदीप वारियर का शिकार हुए जिससे तमिलनाडु मेजबान टीम की बराबरी पर लग रही थी। लेकिन शार्दुल ने तमिलनाडु के प्रत्येक गेंदबाज पर दबाव बनाया और महत्वपूर्ण साझेदारी की बदौलत मुंबई को बढ़त दिलाई। शार्दुल ने तमोर (35 रन) के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 105 रन की शतकीय साझेदारी के बाद कोटियान के साथ नौवें विकेट के लिए 79 रन की भागीदारी की। शार्दुल ने इच्छानुसार रन जुटाए और गेंद को सीमारेखा पार कराने का एक भी मौका नहीं छोड़ा जिससे इस दौरान उन्होंने छक्के से सभी प्रारूपों में अपना पहला शतक भी जड़ दिया।

मध्य प्रदेश की ओर से हिमांशु ने ठोका सैकड़ा

हिमांशु मंत्री ने रणजी ट्राफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन विदर्भ के विरुद्ध धैर्य और तकनीक का शानदार सामंजस्य दिखाते हुए शतक जड़ा जिससे मध्य प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 252 रन बनाए और 82 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में अथर्व तायडे का विकेट गंवाकर 13 रन बना लिए हैं। विदर्भ की टीम अब भी 69 रन से पीछे है। स्टंप के समय ध्रुव शोरे 10 और अक्षय वखारे एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।हिमांशु ने 265 गेंद की पारी में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 126 रन बनाए। हिमांशु की पारी के महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम में उनके बाद दूसरा सर्वोच्च स्कोर 30 रन सारांश जैन के नाम था।

किसान पीछे हटने को तैयार नहीं केंद्र सरकार पर भड़के

छह मार्च से दिल्ली चलो आंदोलन

» किसान नेताओं ने 10 मार्च को रेल रोको का किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ किसान पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पिछले 20 दिन से ज्यादा हो गए है आंदोलन करते हुए पर पर गूंगी-बहरी सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि बस आश्वासन देकर सरकार मामले को टालना चाहती है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल ने किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर देशभर के किसानों से विरोध प्रदर्शन के लिए छह मार्च को दिल्ली पहुंचने का आहवान किया, जबकि उन्होंने मांगों के समर्थन में 10 मार्च को चार घंटे के देशव्यापी रेल रोको अभियान का भी आहवान किया।

दोनों किसान नेताओं ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन स्थलों पर किसानों का आंदोलन तेज किया जाएगा और तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं कर लेती। दोनों किसान नेता पंजाब-हरियाणा की सीमा पर स्थित खनौरी बॉर्डर पर 21 फरवरी को पुलिस के साथ झड़प के दौरान मारे गए किसान शुभकरण के बठिंडा जिले में स्थित उनके पैतृक गांव बलोह में संबोधित कर रहे थे। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) सरकार पर अपनी मांगों को स्वीकार करने के लिए दबाव बनाने के लिए दिल्ली चलो मार्च का नेतृत्व कर रहा है। इसमें शामिल किसान केंद्र से फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी सहित विभिन्न मांग कर रहे हैं। दोनों किसान मंचों ने फैसला किया कि पंजाब और हरियाणा के किसान शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन का समर्थन करना जारी रखेंगे। उन्होंने आहवान किया कि अन्य राज्यों के किसान और खेतिहर मजदूर उनकी मांग के समर्थन में राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन के लिए छह मार्च को दिल्ली पहुंचें।

मोदी सरकार पंजाब व हरियाणा तक सीमित करना चाहती है आंदोलन

केंद्र ने पहले कभी भी किसान आंदोलन में ड्रोन का इस्तेमाल नही किया था जैसा कि हरियाणा पुलिस ने हाल ही में किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अधिकारियो ने शंभू और खनौरी सीमा पर अवरोधक लगा दिए है और पंजाब-हरियाणा सीमा को अंतरराष्ट्रीय सीमा जैसा बना दिया है। पंधेर ने कहा कि केंद्र ने उनके दिल्ली चलो मार्च को रोकने के लिए सभी हथकंडे अपनाए। उन्होंने कहा, केंद्र यह धारणा बनाने की कोशिश कर रहा है कि मौजूदा आंदोलन पंजाब तक ही सीमित है और इसका केवल दो मंच नेतृत्व कर रहे हैं। लेकिन हम यह स्पष्ट करना चाहते है कि देश का आंदोलन है।

कंटेनर से टकराई कार, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

» गुजरात के वड़ोदरा शहर में भीषण हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वड़ोदरा। गुजरात के वड़ोदरा शहर के पास राजमार्ग पर खड़े कंटेनर से एक कार टकरा गई, जिससे उसमें सवार दो दंपतियों और एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कपूराई पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना रविवार देर रात हुई जब एक ही परिवार के दो पुरुष, अपनी पत्नियों और दो बच्चों के साथ कार में वड़ोदरा जिले के कर्जन तालुका से वापस आ रहे थे।

उन्होंने बताया कि कार सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गई। अधिकारी ने बताया कि दो दंपतियों और एक साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 साल का दूसरा बच्चा घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन बचाव दल मौके पर पहुंचे और पीड़ितों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला।

अश्लील वीडियो मामले में फंसे बाराबंकी के बीजेपी सांसद

» प्रत्याशी उपेंद्र रावत ने दर्ज कराया मुकदमा, निष्पक्ष जांच की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाराबंकी से भाजपा के मौजूदा सांसद और लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी उपेंद्र रावत का अश्लील वीडियो वायरल होने का मामला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक वीडियो वायरल होते ही प्रदेश भाजपा के नेताओं में हलचल मच गई। पार्टी स्तर पर इस संबंध में पड़ताल शुरू कर दी गई है। रावत के राजनीतिक भविष्य का निर्णय अब केंद्रीय नेतृत्व के स्तर से ही होगा।

उधर, सांसद ने मामले में एफआईआर दर्ज करा दी है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि वीडियो फर्जी और एडिटेड है। सांसद के निजी सचिव दिनेश चंद्र रावत ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि सांसद की छवि धूमिल करने के लिए ऐसा किया गया है। वीडियो एडिट किया गया है। हालांकि रविवार को पूरा दिन इस वीडियो को लेकर काफी चर्चाएं होती रही।

हिमाचल में कांग्रेस डैमेज कंट्रोल में जुटी

» एक को मंत्री बनाने, चार विधायकों को कैबिनेट रैंक देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सियासी गहमागहमी के बीच व अपनों की नाराजगी दूर करने के लिए सुक्खू सरकार ने कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। कांग्रेस सरकार एक विधायक को मंत्री बनाने और चार अन्य को कैबिनेट रैंक देने की तैयारी में है। सरकार लोस चुनाव के लिए आचार संहिता लगने से पहले यह फैसला ले सकती है। अभी प्रदेश मंत्रिमंडल में एक पद खाली चल रहा है।

इसके अलावा मुख्य सचेतक, उप मुख्य सचेतक व खाद्य आपूर्ति निगम और हिमफेड के अध्यक्ष की तैनाती होनी है। राज्यसभा चुनाव से लेकर अब तक चल रहे सियासी भूचाल के बीच अभी हाल ही में सुक्खू ने होलीलॉज के करीबी रामपुर के विधायक नंद लाल को सातवें वित्त आयोग का अध्यक्ष और फतेहपुर के विधायक भवानी सिंह पठानिया को राज्य योजना बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाकर कैबिनेट रैंक दिया है। इसी तरह का दर्जा चार अन्य विधायकों को भी देने की तैयारी है। इससे पहले सरकार बनने के कुछ समय बाद ही नगरोटा बगवां के विधायक रघुबीर सिंह बाली को राज्य पर्यटन विकास बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाकर कैबिनेट रैंक दिया गया था।

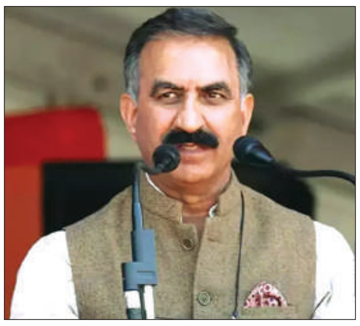

भाजपा की चाल नाकाम करेंगे सीएम सुक्खू

भाजपा की अगली चाल का जवाब देने के लिए सुक्खू अपनी सरकार के किले को इस तरह की सियासी रणनीति से मजबूत करने जा रहे हैं। राज्य सरकार ने ताजपोशियों के लिए विधायकों की एक सूची भी तैयार कर ली है। कुल्लू के विधायक एवं मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर को मंत्री बनाने के लिए उनका नाम सबसे आगे है। मुख्यमंत्री सुक्खू मंत्रिमंडल में रिक्त पड़े एक पद को भरने का कभी भी फैसला ले सकते हैं। सूत्रों के अनुसार शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया, मनाली के भुवनेश्वर गौड़, धर्मपुर के चंद्रशेखर, शिमला शहरी के हरीश जनारथा, कसौली के विनोद सुल्तानपुरी, कुटलैहड़ के सुदर्शन बबलू और ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न में से किन्हीं चार विधायकों को कैबिनेट रैंक दिया जा सकता है।

बारिश व ओलावृष्टि से यूपी में कोहराम, कई की गई जान

» फसलों को भारी नुकसान, किसान परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में पिछले तीन दिनों से हो रहे बेमौसम बरसात ने जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सोमवार की सुबह भी यूपी में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। वहीं रविवार को तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसात हुई। कई जिलों में भारी से हल्की ओलावृष्टि हुई। बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हुई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में रविवार को 7.5 मिमी बरसात दर्ज की गई। साथ ही बताया कि सोमवार से धीरे-धीरे मौसम खुलने लगेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सुल्तानपुर-मिर्जापुर-हरदोई में 14.8, बहराइच 14.1, कानपुर नगर 13.9, बाराबंकी व गोंडा में 11 मिमी से अधिक बरसात हुई है। अमेठी में सबसे ज्यादा 16.9 मिमी पानी बरसा है। बेमौसम बारिश व तेज हवाओं के चलते ठंड एक बार फिर बढ़ गई है। अधिकतम तापमान सामान्य से 9.9 डिग्री तक नीचे चला गया है। मुरादाबाद व बहराइच में अधिकतम पारा 20 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने बताया कि हवा की रफ्तार 50 किमी प्रति घंटे रही। इसके साथ हुई ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसलें गिर गईं। चार मार्च को पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा, जबकि पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों बरसात हो सकती है।

लखनऊ का हाल बेहाल

बारिश व ओलावृष्टि से बाराबंकी में 22 हजार हेक्टेयर में बोई गई आलू की करीब 20 प्रतिशत फसल खराब हो गई। ओलावृष्टि से गेहूं व मसूर की खेती चौपट हुई है। लखनऊ समेत आसपास के जिलों में ओलावृष्टि से आम के बौर झड़े हैं।

24 घंटे में करें मुआवजे का भुगतान : योगी

योगी आदित्यनाथ ने सभी डीएम को ओलावृष्टि व अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त फसलों के नुकसान का आकलन कर 24 घंटे में मुआवजा भुगतान का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें लापरवाही पर कार्रवाई होगी। सभी डीएम, एसडीएम व तहसीलदार मौके पर जाकर फसलों के नुकसान का तत्काल सर्वे करें।

किसानों की उपेक्षा कर रही सरकार : अखिलेश

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान और खेती दोनों उपेक्षित हैं। भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में अपने संकल्प पत्र में किसानों से संबंधित जो वायदे किए थे, उसमें एक भी वादा पूरा नहीं किया है। हद तो यह है कि भाजपा सरकार ने पूर्व में भी प्राकृतिक आपदा के पीड़ति किसानों को मुआवजा नहीं दिया। बरसात से और कहीं-कहीं ओलावृष्टि से गेहूं, चना, सरसों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। टमाटर, आलू, शिमला मिर्च, गोभी और बैंगन की फसल भी प्रभावित हुई है। आम में बौर आने शुरू हो गए थे, लेकिन बारिश में ये न केवल गिर गए, बल्कि उसमें खर्रा रोग और भुनगे भी लगने लगे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।